

6.5 Internal Quality Assurance System

6.5.1 Internal quality assurance cell has contributed significantly for institutionalizing the quality assurance strategies and processes.

(Describe two practices institutionalized as a result of IQAC initiatives word)

The Internal quality assurance cell (IQAC) was constituted in college for quality enhancement and monitoring of academic as well as administrative activities. The IQAC creates academic environment in the college campus. The meeting of the IQAC is held twice a year. From 2014-15 the IQAC has taken the following steps for quality maintenance.

- 1 Construction of ramp in new buildings.
- 2 Constitution of committee to prepare SSR for NAAC evaluation.
- 3 Construction of new parking stand for bicycle and cars.
- 4 Construction of concrete road up to new bicycle stand.
- 5 Computer work has been done form RUSA fund for Principal office IQAC room, Hindi department and commerce department.
- 6 One Printer was purchased and installed in the IQAC Room form RUSA fund.
- 7 A webinar was conducted on the subject of “Impact of covid-19 on mental health of students”
- 8 Defective fans and tube light were repaired on 01-04-2021
- 9 As per the proposal date 15.04.2021, defective water cooler has been repaired.

The IQAC has contributed significantly to institutionalize the quality assurance strategies and processes in the institution. The following are the major focus areas of IQAC;

1. To set benchmarks and parameters for quality sustenance through various academic and administrative activities of the institution after discussion in the

staff meeting at the beginning of the session and analysis of the feedback from stakeholders.

2. To monitor the course designing examination reforms and evaluation of students performance.

3. To ensure maximum utilization of infrastructural facilities and the available ICT resources.

4. To ensure proper implementation of the academic calendar.

5. To organize regular meetings of IQAC to discuss various measures related to quality enhancement

6. To suggest for the extension and up gradation of classrooms and laboratories

7. To promote automation of library and its facilities.

8. To monitor feedback its analysis and implementation of the suggestions given.



 GPS Map Camera



Narayanpur, Chhattisgarh, India

P66P+8FV, Narayanpur, Chhattisgarh

494661, India

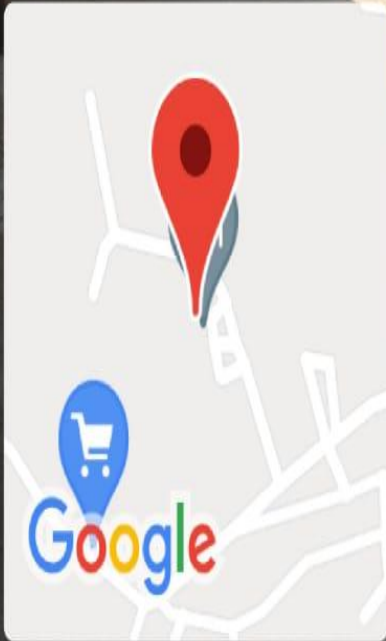
Lat 19.711186°

Long 81.236283°

02/02/22 01:46 PM



GPS Map Camera



Narayanpur, Chhattisgarh, India

P66P+8FV, Narayanpur, Chhattisgarh

494661, India

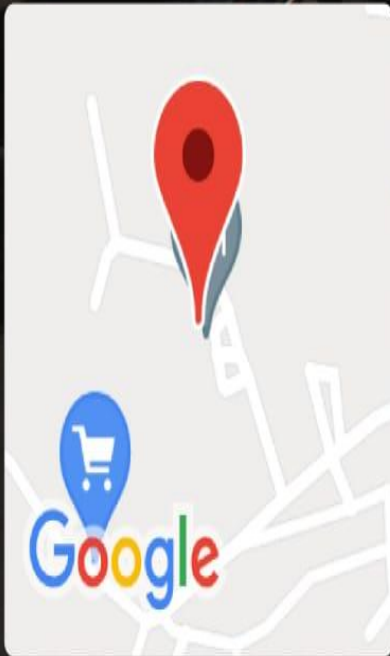
Lat 19.711°

Long 81.236223°

02/02/22 01:45 PM



GPS Map Camera



Narayanpur, Chhattisgarh, India

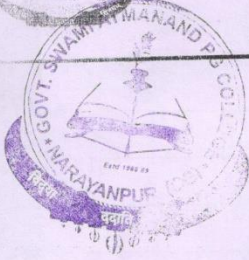
P66P+8FV, Narayanpur, Chhattisgarh

494661, India

Lat 19.711018°

Long 81.236227°

02/02/22 01:44 PM



कार्यालय प्राचार्य, शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर
महाविद्यालय नारायणपुर जिला – नारायणपुर (छ.ग.)

दूरभाष : 07781-252655,252755, Email -narayanpurcollege@gmail.com,
वेब साईट www.gdcnarayanpur.com

नारायणपुर, दिनांक 08.06.2021

आवश्यक सूचना

महाविद्यालय के समस्त अधिकारी कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के अन्तर्गत दिनांक 09.06.2021 को प्रातः 11:00 बजे विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 का प्रभाव विषय पर वर्चुअल वेबीनार का आयोजन गुगल मीट के माध्यम से किया जा रहा है। अतः समस्त अधिकारी कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं दिये गये तिथि एवं समय पर अपना उपस्थिति सुनिश्चित करें।

(श्री बी. डी. चांडक)
रा.से.यो. (प्रभारी अधिकारी)
शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर
महाविद्यालय नारायणपुर (छ.ग.)

(डॉ. एस. आर. कुंजाम)
प्रभारी प्राचार्य
शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर
महाविद्यालय नारायणपुर (छ.ग.)



विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

शास्त्रकर्ता स्वामी मोल्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारायणपुर
शुद्ध सेवा योजना इकाई द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य
विद्यार्थियों का प्रभाव के विषय पर वर्चुअल वेबिनार आयोजित
की गई इस दौरान 90 से अधिक विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में भाग
लिया।

वेबिनार में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब
भी दिए गए। महाविद्यालय के प्रचार्य डॉ. रमेश आर कुंजाम ने
छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, आज के समय कीजिए
कि विद्यार्थी बेहतर करियर के साथ-साथ स्वस्थ रहें। पढ़ाई
के दौरान उनमें मानसिक तनाव बजोड न बढ़े इसका ध्यान
रखना बहुत जरूरी है। हम सब इस वक्त कोरोनावायरस
के चुनौती का सामना कर रहे हैं। इससे ना केवल लोगों
को शारीरिक स्वास्थ्य पर अपितु मानसिक स्वास्थ्य पर भी
नकारात्मक असर पड़ रहा है जिससे विद्यार्थी बर्गे भी अछूता
नहीं रह गया है।

समाजशास्त्री प्रोफेसर श्रीमति मीना देवांगन ने
बताया ऑन लाइन क्लास के कारण विद्यार्थियों में सीरवने की
लचक अब पहले जैसी नहीं रही। साथ ही उनको रातों रात
पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाती है। थक करने की क्षमता
धीरे-धीरे कम होती जा रही है। इस बात को लेकर
विद्यार्थियों का परेशान होना स्वाभाविक है उन्होंने बताया पढ़ाई
के साथ प्रतिदिन कुछ स्वनात्मक कार्य करें जिससे आपको सुरक्षा
मिलती हो ऑनलाइन पढ़ने के दौरान जीव में विराम का दिन
रखें।

जिला अस्पताल नारायणपुर से मिलनिकल साइकोलॉजिस्ट
प्रो. बोडक ने बताया कोविड-19 के प्रारम्भिक दिनों से ही
लोगों के लिए पूरा माहौल बदल गया है। अनांक से स्कूल
कॉलेज बन्द पड़े हुए है इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर
पड़ना स्वाभाविक है यह कहना गलत नहीं होगा कि विद्यार्थी
आने वाले कल के अविषय के निर्माता है परन्तु विद्यार्थियों में
इस कोविड-19 आपदा के कारण नकारात्मक विचार, मानसिक
अस्थिरता भ्रमविश्वास में कमी नहीं ना कहीं उनके लिए



अपनी समस्या उत्पन्न कर रही है। प्रत्येक विद्यार्थी स्कूल काल में द्वारा अपनी शिक्षा के साथ-साथ और अन्य व्यवहारिक भावनाओं का विकास करता है। जब कभी किसी छात्र को किसी प्रकार की कोई मानसिक परेशानी हो रही होती है तबले पहले अपने मित्र या कभी-कभी अपने शिक्षकों से अपनी बातें शेयर करता है लेकिन ऐसा नहीं होने और मन में परेशानियाँ दबा कर रखे रहने से तनाव, गुस्सा बिना दबाए हुए निद्रा विकार इत्यादि की ~~समस्या~~ समस्या बढ़ने लगती है। ऐसे में नकारात्मक भावनाओं का दमन करने के बजाय सासनाओं का नए नजरिये से विश्लेषण करे। पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करे क्योंकि ये हमें जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। असफलता से सबक ले और अपनी कमियों में सुधार करे और पर जाय और व्यायाम को अपनी आदत बनाएं। अच्छी संगत में रहे पूरी मेहनत लें। बदलाव कर इन समस्याओं से मुक्ति जा सकता है। प्रीति चाण्ड ने सभी विद्यार्थियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिये 8 नियम अपनाने को कहा।

(1) साइको रजुक्शन - इस बात को स्वीकार करना होगा कि अभी जो परिस्थितियाँ हैं वह हमारे नियंत्रण में नहीं है क्योंकि चीजों को स्वीकार करते हैं तो परिस्थिति के अनुसार खुद को अनुकूल रखना हमारे लिए जब कभी भी दबाए हुए हो या डर महसूस हो तो ड-उ-ड विधि का उपयोग करें।

(2) प्रातःकाल ध्यान लगाएं और प्रोग करे।

(3) बिड़बिड़ापन, गुस्से को कम करने के लिए माइडफुलनेस टेक्निक अपनाएं जब कभी भी गुस्सा आए तो 1-10 तक काउंटिंग कर तुरंत किसी भी बात पर ही विचार ना करे थोड़ा देर सोचे फिर रिस्पॉन्ड करे।

(4) त्रीट के परेशानी होने पर स्लीप हाइजीन फॉलो करे।

(5) दिन में दो बार हिलैक्सेशन करे पी करे।

(6) किसी भी प्रॉब्लम से निकलने के लिए प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को अपनाएं।

विचार • कोरोना का छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर विषय पर डॉ पटेल बोले

कोरोना का डर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रहा

भास्कर न्यूज | नारायणपुर

शासकीय स्वामी आत्मानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 का प्रभाव विषय पर वर्चुअल वेबिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. डी प्रहलाद पटेल ने कहा कि आम आदमी की जिंदगी में कोरोना वायरस का डर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहा है। लोगों में चिंता, छिप्रेषण और तनाव बढ़ा है। इसलिए छात्र छात्राओं को कुछ ना कुछ कार्य देते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय योगा फेस्ट एन प्रशिक्षण 14 से 20 जून तक कराया जाएगा।

मुख्य वक्ता प्रीति चांडक क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट ने कहा कि लंबे वकत तक क्वारंटाइन रहना, कोरोना वायरस आने का डर, कई लोगों की नौकरी जाने और आमदनी कम होने का सदमा, मानचानी जगह पर आवाजाही पर



नारायणपुर. वर्चुअल वेबिनार में शामिल छात्र व अतिथि।

पाबंदी, पारिवारिक और सामाजिक मेलजोल कम होने से कहीं ना कहीं भविष्य के लिए एक डर बना हुआ है। यह कहना गलत नहीं होगा कि विद्यार्थी आने वाले कल के भविष्य के निर्माता हैं। परंतु विद्यार्थियों से इस कोरोना महामारी

के कारण नकारात्मक विचार निराशावादी या आत्मविश्वास में कमी कहीं ना कहीं उनके अंदर घर कर गई है। अगर समय रहते इन समस्याओं से निजात नहीं पाया गया तो यह कहना गलत नहीं होगा कि जिन

ऑनलाइन क्लास में पहले जैसी सीखने की ललक नहीं

प्रोफेसर मीना देवांगन ने बताया कि ऑनलाइन क्लास के कारण विद्यार्थियों में सीखने की ललक पहले जैसी नहीं रही। उनका कॉसेट क्लियर नहीं हो पाता और याद करने की क्षमता धीरे-धीरे कम हो रही है। चिंता है कि भविष्य में क्या उनका कॉसेट क्लियर हो पाएगा। क्या वह खुद को किसी भी प्रतिभागी परीक्षाओं में शामिल होने के काबिल बना पाएंगे। कार्यक्रम समन्वयक, विवि के संस्था प्रमुख डॉ एसआर कुंजाम एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष समाज शास्त्री शासकीय स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय मीना देवांगन व अन्य लोग मौजूद थे।

सपनों ने उड़ान भरने के लिए पंख फैलाना शुरू किया ही था, वह सपने पूरा होने से पहले ही टूट गए और हम जानते हैं कि कोई भी विद्यार्थी अधूरे ख्वाब अधूरे सपनों को लेकर अच्छे भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता है।



11.6.2021
PRINCIPAL
Government Post Graduate College
Narayanpur, Dist.- Narayanpur
Chhattisgarh





